



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 129]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जुलाई 2, 1992/आषाढ़ 11, 1914

No. 129]

NEW DELHI, THURSDAY, JULY 2, 1992/ASADHA 11, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 2 जुलाई, 1992

संकल्प

संख्या पी-19011/5/92-आई.ओ.सी.—सरकार की नीति के अनुसार तेल उद्योग द्वारा पेट्रोल/डीजल के खुदरा बिक्री केन्द्रों, मिट्टी के तेल/हल्के डीजल तेल की डीलरशिपों और तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एल.पी.जी.) की 25% डिस्ट्री-ब्यूटरीयों प्रमुखित जाति/प्रमुखित जनजाति के व्यक्तियों को दी जानी है। म.जा./म.ज.जा. की श्रेणी के अंतर्गत चुने हुए डीलरों/डिस्ट्रीब्यूटरीयों के लिए हालांकि डीलरशिपों/डिस्ट्रीब्यूटरीयों को शुरू करने के लिए अपेक्षित धनराशि की व्यवस्था करना कठिन होता है। इससे परिणामस्वरूप, प्रायः इन आवंटितियों के लिए ऐसा समझौता करना आवश्यक हो जाता है जिसके परिणामस्वरूप वे लोग नाममात्र के साजिक रह जाते हैं।

1689 GI/92

2. सरकार ने तेल उद्योग के साथ परामर्श करके म.जा./म.ज.जा. के आवंटितियों को वित्तीय सहायता देने के लिए निम्नलिखित स्कीम विकसित की है:

(i) पेट्रोल/डीजल खुदरा बिक्री केन्द्र

तेल कंपनियों के पास "ए" श्रेणी स्वयं के नाम से (कारपोरेशन के स्वामित्व की शीतर द्वारा चालित) एक श्रेणी पहले से है जिसके तहत तेल कंपनियों द्वारा उन क्षेत्रों में जमीन और बाहरी संरचनाओं पर निवेश किया जाता है जिन पर स्थानीय प्रधिकारियों द्वारा डीलरों को जमीन की उपपट्टा की अनुमति नहीं होती है। म.जा./म.ज.जा. के आवंटितियों को समान सुविधाएं दिए जाने का प्रस्ताव है और अतः ऐसे आवंटितियों को निम्नलिखित सुविधाएं देने के लिए तेल कंपनियों को प्रावधान करना होगा:--

- (I) 1. जमीन और इतना विकास।
2. विज्ञापन

